सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 113 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 27 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हर एक व्यक्ति को अपने जीवन में, अपने द्वारा की गयी गलतियों को धन्यवाद देना चाहिए।

-राल्फ वाल्डो इमर्सन

बेंगलुरु की उम्मीदों पर पानी फेरने उतरेगा... 7 | हिमाचल में इंजीनियर मौत मामले... 3 | यूपी में अपराधियों को कानून का... 2

क्या यही होता है चौथी अर्थव्यवस्था बनने वाले देश में?

पंचकुला में एक ही परिवार के सात लोगों ने जहर खाकर दी जान

खबर से हिल गया देश, जिम्मेदार कौन?

» आर्थिक नीतियां या फिर बेदम योजनाएं

» स्किल इंडिया और स्टार्टअप योजनाओं के मुंह पर तमाचा है आज की खबर

» देहरादून के मित्तल फैमली ने बाबा बागेश्वर की कथा सुनने के बाद खाया जहर

» टूर एंड ट्रेवल का बिजनेस था, नुकसान हुआ और कर्ज के बोझ तले दबता गया परिवार

» तीन बच्चे, दो बुजुर्ग और प्रवीण मित्तल की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

1 परिवार

7 मौते

नई दिल्ली। एक तरफ भाजपा की मोदी सरकार देश को विश्व में चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने का जश्न मना रहीं है वहीं आर्थिक तंगी से हरियाणा के पंचकूला में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत की खबर ने पूरे देश में कोहराम मचा दिया है। यह खबर सिर्फ एक घटना नहीं है यह इस देश के जख्मों पर लगा एक और नमक है, एक और घाव है।

एक ही परिवार के सात लोगों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। वे जहर खा गए। धीरे-धीरे तड़पते रहे, मरते रहे और दुनिया चुप रही। कोई उफ्फ तक न कर सका। ऐसा क्या हुआ होगा कि एक पूरा परिवार मौत को गले लगाने को विवश हो गया अब बस सवाल यही है कि जिंदगी की आस में आत्महत्या करते लोगों की इन मौतों का जिम्मेदार कौन है? मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां या फिर चमत्कार के जरिये समस्याओं को हल करने में माहिर बाबा बागेश्वर या फिर स्वयं वह परिवार।

चौथे नम्बर की अर्थव्यवस्था पर भी सवाल

हाल ही में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। सरकार इस खुशी में जश्न मना रही है। पीएम मोदी ने कहा है हमने कोरोना से लेकर प्राकृतिक आपदा तक झेली, तब हम दुनिया के चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बने हैं। विपक्ष सवाल पूछ रहा है आर्थिक नीतियों की आलोचना कर रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी यही कह रहे हैं कि योजनाएं सिर्फ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचा रही है पूरी देश की जनता को नहीं।

क्या वित्त मंत्री को इस्तीफा नहीं देना चाहिए?

जब एक के बाद एक परिवार भूख, बेरोज़गारी और कर्ज़ में डूब कर आत्महत्या कर रही हैं तब क्या किसी जिम्मेदार का इस्तीफा नहीं बनता? क्या ये सिर्फ आंकड़ों की असफलता है या मानवता की। अगर देश का वित्तीय मॉडल ही ऐसा है कि गरीब और गरीब होता जाए, और अमीर और भी अमीर–तो क्या उस मॉडल को चलाने वालों से कोई सवाल नहीं पूछा जाएगा? क्या वित्त मंत्री को नैतिकता के आधार पर जवाब नहीं देना चाहिए?

टूट गयी आस तो खाया जहर

पुलिस जांच में सामने आया है कि प्रवीण मित्तल और परिवार के अन्य सदस्य सोमवार को बाबा धीरेंद्र शास्त्री की पंचकूला सेक्टर-28 में चल रही कथा में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। कथा से लौटते समय सेक्टर-27 में खड़ी एक कार में परिवार के सातों सदस्यों ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस को रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि एक कार में कई लोग बेहोश पड़े हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। छह को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया जबकि एक की हालत गंभीर थी जिसकी बाद में मौत हो गई। मृतकों में प्रवीण मित्तल, उनकी पत्नी, तीन बच्चे और दो बुजुर्ग सदस्य शामिल है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की वजह कर्ज का बोझ और आर्थिक तंगी बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, प्रवीण मित्तल पर कुछ सालों से काफी कर्ज हो गया था। मित्तल ने कुछ समय पहले देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय शुरू किया था, लेकिन उन्हें भारी नुकसान हुआ। व्यवसाय में घाटे और बढ़ते कर्ज से मानसिक तनाव में आकर उन्होंने कथित रूप से यह कदम उठाया। देहरादून में उन्होंने टूर एंड ट्रैवल्स का बिजनेस शुरू किया था, लेकिन वह नहीं चला। इसके बाद परिवार कर्ज के तले दबता चला गया। इतनी तंगी हो गई थी कि घर खर्च चलाना मुश्किल हो गया था।

चमकती अर्थव्यवस्था बेदम जनता

सरकार कहती है कि अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है। आंकड़े पेश किए जाते हैं। जीडीपी, विकास दर, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत। लेकिन ज़मीनी सच्चाई क्या है? पंचकूला की घटना बताने के लिए काफी है कि इन योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच रहा है। समाजशास्त्री डी के त्रिपाठी कहते हैं कि मरने वाले परिवार ने जिंदगी के लिए जद्दोजहद की होगी। हर दरवाजे पर गया होगा। वह कहते हैं कि जिस परिवार ने आत्महत्या की वह बाबा बागेश्वर के दरबार में उम्मीद लेकर गए थे। लेकिन वहां भी उम्मीदी हाथ लगी होगी तभी इस प्रकार की हृदयविदारक घटना को अंजाम दिया। उनके मुताबिक यह घटना उन धार्मिक प्रवचनों पर भी सवाल उठाती है जो लोगों को कर्म से ज्यादा चमत्कार की ओर मोड़ते हैं। यह धर्म का अपराध नही लेकिन एक बीमार समाज की तस्वीर है जो हर गहरी चोट का इलाज आध्यात्मिक मलहम से करना चाहता है।

यह केवल आत्महत्या नहीं व्यवस्था की हार है?

जब लोग मरने को जीने से आसान समझने लगें तो समझिए समाज बीमार है। जब अरबपति और अमीर होते जाएं और आम आदमी चुपचाप मरता जाए तो समझिए देश की आत्मा खतरे में है। और जब धर्म से ज्यादा उम्मीद हो और सरकार से ज्यादा निराशा तो समझिए पुनर्विचार का समय आ गया है। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष हिंदवी कहते हैं कि वित्त मंत्री से सवाल पूछा जाना चाहिए कि बजट किसके लिए बनता है? सरकार केवल जीडीपी बढ़ाने पर ध्यान देती है मानव विकास पर नहीं। वह कहते हैं कि भारत में हर 40 सेकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। लेकिन क्या कभी यह चर्चा संसद में प्राथमिकता से होती है? स्कूली बच्चों पर पढ़ाई और नौकरी का बोझ है। मध्यम वर्ग पर महंगाई का दबाव है और महिलाओं पर घरेलू हिंसा और मानसिक यातना।

ढोल में पोल

सरकार स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं का प्रचार करती है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की सलाह देती है। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि छोटे व्यापारियों को लोन नहीं मिलते जिनके पास थोड़ा पूंजी है वो भी महंगाई की भेंट चढ़ जाती है। पंचकूला की घटना यह बताने के लिए काफी है कि स्वरोज़गार की यह स्कीमें सिर्फ अख़बारों और विज्ञापनों में अच्छी लगती हैं। असल जिंदगी में न तो ट्रेनिंग है, न समर्थन, न बाजार तक पहुँच।

यूपी में अपराधियों को कानून का डर नहीं रह गया

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा - राजधानी लखनऊ तक में लोग सुरक्षित नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। अपराधी खुले आम गोलियां चला रहे है। हत्याएं कर रहे है। अपराधियों को कानून का डर नहीं रह गया है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों से उत्तर प्रदेश अपराध प्रदेश बन गया है।

कानून-व्यवस्था पर भाजपा सरकार का जीरो टालरेंस का दावा जीरो हो चुका है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में राजधानी लखनऊ तक में लोग सुरक्षित नहीं है। लखनऊ में दिन दहाड़े गोलियां चल रही है। गैंगवार हो रही है। राजधानी लखनऊ के सर्वोदय नगर में सड़क पर दौड़ा कर गोली मारी गयी। लखनऊ के ही पारा में पापर्टी डीलर के दफ्तर में दबंगों ने लाठी-डंडो से हमलाकर पिटाई की। लखनऊ के ही मलिहाबाद में घर पर कब्जा करने का विरोध करने पर महिला पर हमला हुआ। जौनपुर के जाफराबाद में पिता और दो बेटों की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गयी। नोएडा में सिपाही सौरभ देशवाल की दबिस के दौरान बदमाशों ने फायरिंग कर हत्या कर दी।

पूरब से पश्चिम तक पूरे प्रदेश में अपराधों की बाढ़ आयी

सहारनपुर में छेड़छाड़ से परेशान दसवीं की छात्रा ने जान दे दी। पूरब से पश्चिम तक पूरे प्रदेश में अपराधों की बाढ़ आयी हुई है। सरकार से कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। हत्या, लूट, छेड़छाड़ की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। जनता भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री के जुमलों को सुन-सुनकर थक चुकी है।

भाजपा राज में महिलाएं बच्चियां आए दिन अपमानित होती ही रहती हैं

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जब उत्तर प्रदेश को एक स्थायी डीजीपी नहीं दे सकती है तो वह कानून व्यवस्था क्या संभालेगी। यह कैसी भाजपा सरकार है जहां चारों तरफ अराजकता ही अराजकता है। भाजपा राज में महिलाएं, बच्चियां आए दिन अपमानित होती ही रहती है। अभी दो दिन पहले अपनी इज्जत बचाने के लिए एक बच्ची को ऑटो से कूदना पड़ा। वह बुरी तरह घायल हो गयी। कई छात्राओं ने छेड़खानी से तंग आकर फांसी भी लगा ली।

समाजवादी विचार गोष्ठियों में जुट रही भीड़

समाजवादी शिक्षक सभा राष्ट्रीय कार्यकारणी के द्वारा आयोजित की जा रही विचार गोष्ठियों की श्रृंखला में जनपद रायबरेली के ऊंचाहार में लोकतंत्र को समृद्धशाली बनाने एवं समाज में पीडीए की सार्वभौमिकता पर शिक्षक का चिंतन विषय पर गोष्ठी संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी रायबरेली के जिलाध्यक्ष इं वीरेंद्र यादव ने किया, मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर बी पांडे एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप यादव रहे। कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव कमलेश कुमार मौर्य एवं डॉ. नरेंद्र यादव ने किया।

सपा ही करती है शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण : पांडे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर बी. पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के हितों एवं समस्याओं का निदान करने वाली सरकारों का इतिहास रहा है वह केवल और केवल समाजवादी सरकारें ही रही है पूर्व में चाहे श्रद्धेय नेताजी की सरकार रही हो या अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार रही हो शिक्षकों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से करती है और दूसरी ओर भाजपा शासित सरकारें रही हो जो केवल और केवल शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात एवं उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करती रहीं है।

भाजपा राज में बद से बदतर हो रहे हैं स्कूल

उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार शिक्षकों के पदों को समाप्त कर रही है विद्यालयों को बंद कर रही है और नई शिक्षा नीति के तहत गरीबों को शिक्षा से दूर कर केवल धनाढ्यों के लिए शिक्षा की व्यवस्था कर दी है जहां आज जो हमारे वित्तविहीन विद्यालय हैं या सरकारी विद्यालय है कम पैसों में बच्चों को शिक्षा मिल रही है वही पर यदि कॉर्पोरेट घरानों के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय आ गए या विदेशी विश्वविद्यालय खुल गए तो बेचारे गरीब का बच्चा नहीं पढ़ पाएगा इसलिए आज शिक्षक पर बड़ी जिम्मेदारी है कि उसे अपने भविष्य तथा अपने आगे आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बचाना है और समाज को कैसे अच्छी और सस्ती शिक्षा मिल सके उसके प्रति भी जागरूक करना है।

अखिलेश को सीएम बनाना जरूरी

कुलदीप यादव ने कहा कि आज हम समस्याओं पर चर्चा ना कर समस्याओं के निस्तारण का एक मात्र हल पर चिंतन करें और तय करें कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है और उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को बनाना है जिससे शिक्षा को बाजारीकरण से बचाया जा सके, शिक्षकों के भविष्य बचाया जा सके।

भाजपा नेताओं के खिलाफ सरकार के पास भ्रष्टाचार के दस्तावेज: सुखविंद्र सिंह सुक्खू

सीएम बोले- नेगी मौत मामले में भाजपा राजनीति का रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार के खिलाफ गलत आरोप लगाने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ सरकार के पास भ्रष्टाचार के कागजात हैं। विमल नेगी मौत मामले में भाजपा राजनीति का रही है। इसे पेखूबेला प्रोजेक्ट से विपक्ष ने साजिशन जोड़ा है। जयराम तथ्यों के साथ अपनी बात रखें और कोई विधानसभा में झूठ बोले तो कार्रवाई हो सकती है।

सरकार इस पर विधानसभा में भी स्थिति साफ कर चुकी है। सीएम ने कहा कि सच्चाई कभी हार नहीं सकती। न प्रदेश को लुटने दिया जाएगा और न लुटाने दिया जाएगा। जयराम ठाकुर को भी वास्तविकता के साथ बात करनी चाहिए। विमल नेगी की पत्नी हमारी बहन किरण नेगी को न्याय मिलना चाहिए। ऐसे कोई

कागजात हैं तो सीबीआई को देने चाहिए। भ्रष्टाचार की बात जो भाजपा के नेता कह रहे हैं, वे भी सीबीआई में दें। विमल नेगी मामले में सच सामने आनी चाहिए। विपक्ष को तो राजनीतिक लाभ लेना है। सुक्खू ने कहा कि विमल नेगी के मामले में हत्या हुई या आत्महत्या हुई है, इस पर वह कुछ नहीं कह सकते। यह जांच का विषय है।

भ्रष्टाचार के वोटों पर चुनकर राज्यसभा सांसद बने हर्ष

सीएम ने कहा कि भाजपा के नए-नए हर्ष महाजन भ्रष्टाचार के वोटों पर चुनकर राज्यसभा के एमपी बने हैं। बहुमत कांग्रेस का था तो विधायक खरीदे गए। देवी-देवताओं और राज्य सरकार के आशीर्वाद से सरकार दोबारा 40 विधायकों पर पहुंची। जब हर्ष सहकारी बैंक के चेयरमैन बने तो भाजपा ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था और कहा कि जिस सोसायटी के सदस्य बने हैं, वहां कभी रहे ही नहीं।

कैसे सर्कुलेट हुआ डीजीपी का पत्र, जांच होगी

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि डीजीपी का लिखित पत्र सर्कुलेट किया गया और यह उनके पास पहुंचा नहीं है। इसकी जांच होगी। सीएम ने यह बात उस पत्र के बारे में कही, जिस पर डीजीपी की ओर से एसपी को निलंबित करने की संस्तुति की गई है।

पर्यटन, उद्योग और सुरक्षित माहौल के लिए केंद्र करे मदद : अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पटरी से उतरा पर्यटन कारोबार फिर से रफ्तार पकड़ेगा। नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल से जम्मू-कश्मीर की उम्मीदों को फिर पंख मिल गए हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पर्यटन और कारोबार की चिंता के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के लिए नई पर्यटन नीति देने का फैसला किया है। इसमें एक राज्य, एक विश्वस्तरीय पर्यटक स्थल की थीम तैयार की गई है। इसका सबसे बड़ा फायदा जम्मू-कश्मीर को होने की संभावना है। अब प्रदेश सरकार पर्यटन विकास का प्रारूप तैयार कर केंद्र को भेजेगी और केंद्र सरकार तय नीति के तहत इसमें बजट का प्रावधान करेगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रदेश के सामांतर विकास के लिए केंद्र की मदद की आवश्यकता की बात कही है। मुख्यमंत्री की इस बात का जवाब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गवर्निंग काउंसिल में सभी राज्यों और केंद्र को

पहलगाम आतंकी हमले से टूटा पर्यटन कारोबार

मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करने की नसीहत दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से अधिक से अधिक समर्थन की वकालत की है। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने पर्यटन, उद्योग और लोगों को सुरक्षित माहौल देने का पक्ष केंद्र सरकार के समक्ष रखा है। पहलगाम हमले के बाद प्रदेश के सामने आई चुनौतियों को उन्होंने गवर्निंग काउंसिल के सामने उठाया है। मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि प्रदेश में सामांतर विकास होना चाहिए और इसके लिए केंद्र की मदद की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदेश के लिए केंद्र के अधिक से अधिक समर्थन की भी वकालत की है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अकेले लड़ेंगे पंचायत चुनाव, साथ रहने पर कम सीटें मिलती हैं: ओपी राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर को एक दिवसीय दौरे पर सुल्तानपुर पहुंचे। राजभर ने पंचायत चुनाव पर कहा कि पंचायत चुनाव छोटे चुनाव होते हैं। जो कार्यकर्ता विधायकी नहीं लड़ सकता, एमपी नहीं लड़ सकता। वो पंचायत चुनाव लड़ सकता है। वो पांच साल, दस साल मेहनत करता है तो उसको भी लड़ने का मौका मिलेगा।

पंचायत चुनाव में भाजपा के साथ लड़ने पर उन्होंने कहा कि समझौते में लड़ते हैं तो कम सीटें मिलती हैं, जिससे छोटे नेताओं को दिक्कत होती है इसलिए सबका प्रयास होता है कि हम ज्यादा से ज्यादा अपने नेताओं को

चुनाव लड़ाएं। उन्होंने कहा हम तो अकेले लड़ते ही आए हैं अकेले लड़ेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर उन्होंने कहा राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं जब भी विदेश में जाते हैं तो भारत को कटघरे में खड़ा करते हैं। जब 60 साल से उनकी सरकार थी तो उन्होंने क्यों विदेश नीति बढ़िया नहीं बनाई। उन्होंने बेहतर बनाई होती तो आज यह नौबत नहीं होती। ओपी राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा था कि बच्चों में अलग-अलग प्रतिभाएं हैं।

हिमाचल में इंजीनियर मौत मामले में बवाल

जांच सीबीआई को सौंपने पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में रार

» भाजपा बोली अब मिलेगा न्याय

» कांग्रेस ने कहा- जांच में पूरा सहयोग दिया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के चीफ इंजीनियर विमल नेगी मौत मामले पर सियासत तेज हो गई है। भाजपा व कांग्रेस इसको लेकर आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल इस केस की जांच हिमाचल हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपने के आदेश पारित किए हैं। मामले पर सत्ता पक्ष व विपक्ष की प्रतिक्रियाएं भी आई हैं। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान ने कहा कि हाईकोर्ट की ओर से सीबीआई जांच को लेकर दिए आदेशों का सरकार और कांग्रेस पार्टी स्वागत करती है।

दिवंगत चीफ इंजीनियर विमल नेगी की मौत के मामले से पर्दा उठना चाहिए। सरकार किसी को भी बचाने के पक्ष में नहीं है। मुख्यमंत्री इस घटना के पहले दिन से मामले को लेकर गंभीर हैं। दिवंगत विमल नेगी की पत्नी के कहने पर पावर कॉरपोरेशन से संबंधित अफसरों को हटाया गया, फिर निलंबित भी किया। पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की। चौहान ने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर संवेदनशील है। भाजपा इस घटना पर राजनीति कर रही है। कहा कि गुड़िया मामले की देशभर में चर्चा हुई थी, वह केस सीबीआई को गया था। सीबीआई की इस जांच को लेकर आज भी कई लोगों के मन में शंका है। उम्मीद है कि विमल नेगी मामले में सीबीआई सच्चाई को सामने लाएगी।

सीबीआई को करेंगे पूर्ण सहयोग : विक्रमादित्य

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि विमल नेगी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। सीएम ने परिवारजनों को आश्वासन दिलाया कि इस मामले में पुलिस कार्रवाई करेगी। पावर कॉरपोरेशन के बाहर जब विमल नेगी का शव रखा था, वह उस समय परिवार के लोगों से मिले। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने सीबीआई को मामला दिया गया है। परिवार के लोगों को न्याय मिलेगा। सीबीआई को पूरा तरह से सहयोग किया जाएगा। पारिवारिक तौर पर वह परिवार के साथ है।

अब विमल नेगी के परिवार को न्याय मिलकर रहेगा : जयराम

चीफ इंजीनियर विमल नेगी मौत मामले में जांच सीबीआई को सौंपने के उच्च न्यायालय के फैसले का पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने स्वागत किया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद जयराम ठाकुर ने मंडी के बालीचौकी में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि विमल नेगी मौत मामले में वे पहले दिन से ही सीबीआई जांच की मांग कर रहे थे और इस मांग को उन्होंने विधानसभा पटल पर भी रखा था लेकिन सूबे की सरकार परिवार पर सीबीआई जांच न करवाने का लगातार दबाव बना रही थी। आखिर में जब विमल नेगी परिवार को न्याय नहीं मिला और सबूतों से छे?छा? करने की बात सामने आई तो मजबूरन परिवार ने हाईकोर्ट में सीबीआई जांच की मांग उठाई। जयराम ठाकुर ने सीएम से सवाल करते हुए कि जब परिवार भी सीबीआई जांच की मांग कर रहा था तो उन्होंने ने भी सीबीआई जांच मांगकर क्या गलत किया। सुक्खू इस बात को बताएं। जांच को प्रभावित करने की कई बार नाकाम कोशिशें होती रहीं, लेकिन आज हाईकोर्ट का फैसला स्वागत करने योग्य है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि विमल नेगी संदिग्ध मौत मामले को आत्महत्या से नहीं बल्कि हत्या के नजरिये से भी देखा जाना जरूरी है क्योंकि जिन प्रोजेक्टों से जुड़ा यह मामला है, वहां से बहुत बड़े भ्रष्टाचार की बू आ रही है और नेताओं सहित बड़े-बड़े अधिकारियों के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैं। शिमला जिला और ऊना के पेखुवाला सोलर प्रोजेक्ट में अरबों रुपये के घोटालों को दबाने का प्रयास हुआ है। ये संगठित भ्रष्टाचार का मामला है। इसमें नेता भी शामिल हैं। जो कह रहे थे इस सरकार के ढाई साल में भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं लगा है उनका तो पूरा चेहरा ही अब कालिख से पोत गया है। प्रदेश के इतिहास में यह पहली जांच हैं जहां सबूत जुटाने के बजाय सबूत नष्ट करने के लिए पुलिस के कुछ लोग काम कर रहे थे। हाईकोर्ट के फैसले से यह स्पष्ट हो गया कि विमल नेगी की प्रताड़ना के आरोप सत्य हैं। अब विमल नेगी के परिवार को न्याय मिलकर रहेगा और सब भ्रष्टाचारी सलाखों के पीछे होंगे।

गुड़िया को क्या न्याय मिला इस पर प्रश्नचिन्ह : नेगी

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि पुलिस ने पारदर्शिता से मामले की जांच की है। सभी कमेटियों ने काम किया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने विमल नेगी मौत मामले में क्या आदेश हुए हैं, उन्हें नहीं देखा है। परिवार को न्याय मिलना चाहिए। सीबीआई तोता है, गुड़िया का नतीजा क्या निकला। इस पर प्रश्नचिन्ह है।

पीड़ित परिजनों का दर्द नहीं समझ पाई कांग्रेस सरकार : नंदा

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने कहा कि उच्च न्यायालय की ओर से दिया गया फैसला स्वागतयोग्य है। कांग्रेस पार्टी की सरकार पर जितने भी आरोप लगे थे, वह पूरी तरह सच होते हुए दिख रहे हैं। विमल नेगी के परिवारजन पहले ही दिन से परेशान थे। जब कोई परिवार अपने सदस्य को खोता है, उसका दर्द केवल वही समझ सकता है पर कांग्रेस पार्टी की सरकार इस दर्द को समझने में असमर्थ रही।

सच्चाई की जीत, झूठ की हार: बिक्रम ठाकुर

पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता बिक्रम ठाकुर ने उच्च न्यायालय की ओर से स्वर्गीय विमल नेगी की पत्नी किरण नेगी की याचिका स्वीकार करते हुए इस गंभीर प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंपने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि आज न्यायपालिका ने न केवल एक पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद दी है, बल्कि कांग्रेस सरकार की संवेदनहीनता और ढुलमुल कार्यप्रणाली की भी पोल खोल दी है। बिक्रम ठाकुर ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह मात्र एक जांच का मामला नहीं, बल्कि प्रदेश की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक नाकामी का आइना है। जिस प्रकार से कांग्रेस सरकार ने इस पूरे मामले को दबाने की कोशिश की, वह निंदनीय और शर्मनाक है। यह स्पष्ट है कि इस दुखद घटना के पीछे कोई गहरा षड्यंत्र था, जिसे छिपाने का भरसक प्रयास हुआ, लेकिन आज सच्चाई जीत गई।

सत्य की जीत हुई : बिंदल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि विमल कुमार नेगी की रहस्यमयी मृत्यु ने पूरे प्रदेश में एक ऐसा माहौल बना दिया है कि प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार कटघरे में खड़ी हुई। जनमानस ने खुलकर इस बात पर शंका जताई कि ये आत्महत्या नहीं हो सकती, इसके पीछे बहुत बड़े रहस्य हैं। जगह-जगह कैंडल मार्च हुए, जगह-जगह श्रद्धांजलि देने के लिए सभाएं हुई और पूरे प्रदेश से एक निष्पक्ष जांच की मांग की गई। उनका रहस्यमयी तरीके से गायब हो जाना और उनकी देह का भाखड़ा बांध में मिलना और मिलने के समय पर कुछ अधिकारियों की अनुचित सक्रियता और उनकी कुछ चीजों का लापता होना, ये सब कुछ और ही इशारा कर रही थी और इसको लेकर सीबीआई जांच की मांग बलवती हुई। डॉ. बिंदल ने कहा कि विमल नेगी की पत्नी को प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा और उच्च न्यायालय ने इस केस की सीबीआई जांच के आदेश पारित किए हैं। यह जहां एक तरफ सत्य की जीत दिखाई देती है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश की कांग्रेस सरकार के उपर सीधा-सीधा आक्षेप है।

मुस्लिम बहिष्कार का असर, विदेशी डिश पर कहर

केएफसी व पिज्जा हट का घाटा हुआ दोगुना

» फूड चैंजिंग बिहेवियर भी बना कारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोगों के खाने–पीने के बिहेवियर में बदलाव का असर है या फिर गाजा वार के बाद अमेरिकन कंपनियों के मुस्लिम बहिष्कार का असर है।

केएफसी,पिज्ज़ा हट और कोस्टा काफी ब्रांडस की भारत में संचालक कंपनी देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड के वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजों में कंपनी ने दोगुने घाटे की बात बताती है। कंपनी को चौथी तिमाही जनवरी-मार्च अवधि में 14.74 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है जोकि पिछले वर्ष की समान अवधि में हुए 7.47 करोड़ रुपए से करीब दोगुना है।

बिक्री में गिरावट का तड़का

पहले जो जुबान पर चढ़ता था अब गले से नीचे नहीं उतरता इस प्रकार की बातें आजकल सोशल मीडिया पर खूब चल रही है। विदेशी फास्ट फूड चेन केएफसी, पिज्जा हट और कोस्टा काफी जैसे ब्रांड की कमाई में अचानक ऐसा तड़का लगा है कि अब उनके तले हुए चिकन में भी वो कुरकुराहट नहीं रही। सारा मामला सिर्फ महंगाई या मंदी का नहीं है। इस नुकसान के पीछे दो बातें सामने आ रही है। एक मुस्लिम समुदाय द्वारा किया गया फूड बहिष्कार और दूसरा बदलती भारतीयों की खानपान की आदतें। बीते कुछ महीनों से मुस्लिम समुदाय के एक बड़े वर्ग ने इन ब्रांड्स का बहिष्कार शुरू कर दिया था। एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बॉयकाट केएफसी और बायकॉट पिज्जाहट जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे। लाखों मुस्लिम उपभोक्ता जो पहले केएफसी के स्पाइसी ज़िंगर बर्गर के दीवाने थे अब घर के बने शामी कबाब या तंदूरी रोटी पर लौट चुके हैं।

स्टॉक एक्सचेंज को कंपनी ने दी जानकारी

स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी की परिचालन से आय चौथी तिमाही में 1,212.59 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 1,047.08 करोड़ रुपए से 15.81 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, पिछली तिमाही की तुलना में कुल आय में 6.32 प्रतिशत की गिरावट आई है। दिसंबर तिमाही में कंपनी की आय 1,294.4 करोड़ रुपए थी। देवयानी के कुल खर्च में भी तिमाही आधार पर 3.62 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जो चौथी तिमाही में 1,247.91 करोड़ रुपए पर रहा, जबकि तीसरी तिमाही में यह 1,294.8 करोड़ रुपए था। मार्च तिमाही में कंपनी की आय 1,225.78 करोड़ रुपए रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर

पूरी दुनिया के साथ-साथ भारतीय बच्चों में भी पिछले कुछ दशकों से हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता बढ़ रही है। ये एक चिन्ताजनक है और नये भारत एवं विकसित भारत के माथे पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खौफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है।

जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पड़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। निश्चय ही छड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पड़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जड़ों से उखड़े लोगों को फिर से बसाने की चुनौती

सुरेश सेठ

पिछले दिनों ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम आतंकी की विधवाओं और आतंकवाद से लड़ते शहीद हुए जवानों की विधवाओं का दर्द कम करने और अनाथ हुए बच्चों को संबल देने की कोशिश की। सत्ता से जुड़ी आवाजें दावा करती हैं कि प्रतिकार हो गया, आततायियों को सबक सिखा दिया गया। लेकिन उन लोगों के दर्द का क्या, जो सरहद के गांवों से विस्थापित होकर अपने घर-बार समेट कर अनजाने ठिकानों की ओर चल पड़े? पंजाब की सीमाओं पर तो ऐसे खेत भी हैं जो आधे हिस्से में सरहद के पार चले जाते हैं। कहीं फसलें समय से पहले काट ली गईं, और जहां नहीं काटी जा सकीं, वहां न केवल फसलें तबाह हुईं, जिससे किसानों की मेहनत भी मिट्टी में मिल गई। उखड़ना और फिर से बसना— शायद यही इन लोगों की नियति बन गई है।

युद्धविराम के बाद कुछ सरहदी गांवों के लोग जब लौटे, तो उन्हें तबाही का मंजर देखना पड़ा। इस हिंसा के साथ एक और डरावना पहलू भी जुड़ा था— आतंकी और माफिया गिरोहों की हिंसा, जिन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी गैर-कानूनी गतिविधियों का जाल फैला रखा है। ये लोग दिनदहाड़े लूटमार करते हैं और लोगों को उनके अपने घरों में ही पराया बना देते हैं। बाढ़, तूफान और हिंसक घटनाएं आम लोगों के जीवन का कटु सत्य बन चुकी हैं। कुल मिलाकर, जो लोग दुर्भाग्यवश अपनी जड़ों से उखड़ गए हैं, उनकी संख्या लाखों तक पहुंच चुकी है। ये विस्थापन न केवल युद्ध और आतंकवाद के कारण हुआ, बल्कि जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और भूमि-क्षरण जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने भी इस त्रासदी को बढ़ाया। किसान सिर्फ शांति का इंतजार नहीं करता; वह अपनी फसल के लिए समय पर पानी और कटाई के समय साफ मौसम की आशा करता है। लेकिन हालात उलटे हो गए—जहां शांति चाहिए थी, वहां हिंसा मिली; जब पानी की जरूरत थी, तब सूखा पड़ा, और मौसम साफ के समय इतनी मूसलाधार बारिश हुई कि बादल फटने लगे। उधर मणिपुर में भी एक छद्म युद्ध आतंकियों द्वारा जातिगत आरक्षण के मुद्दे को लेकर लड़ा जा रहा है।

आगजनी और हिंसा के चलते वर्ष 2024 में मणिपुर से हजारों लोग विस्थापित हुए। जिनेवा स्थित मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, केवल असम में ही पिछले एक दशक में आई भीषण बाढ़ों के कारण 25 लाख लोग

आंतरिक विस्थापन का शिकार हुए हैं। इसी तरह, देशभर में आए भीषण चक्रवातों ने 16 लाख से अधिक लोगों को उजाड़ दिया। बंगाल की खाड़ी में अक्टूबर 2024 के अंत में आए चक्रवात 'दाना' ने 10 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित कर दिया। त्रिपुरा का भी यही हाल रहा है। पिछले 40 वर्षों में प्रतिकूल मौसम की वजह से वहां 3.15 लाख लोग अपने घरों से उजड़ चुके हैं। पश्चिम बंगाल में आए चक्रवात 'रेमल' ने 2 लाख 8 हजार लोगों को उनके घर-द्वार छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था। इसके साथ ही ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के उफान के कारण लगभग 3 लाख 38 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा, लेकिन इस कार्रवाई से सीमा पर बसे लोगों से लेकर दूर-दराज़ के क्षेत्रों तक की जिंदगियां अव्यवस्थित हो गईं। लोग फिर से अपनी जड़ों से उखड़ने को मजबूर हो गए। जंग, आखिर जंग होती है। आज जब हम सामान्य जीवन की ओर लौटने की कोशिश कर रहे हैं, यह सोचना जरूरी है-क्या इन उखड़े हुए लोगों को फिर से उनकी जड़ें मिलेंगी? क्या उनके वे सपने, जो बारूद की गंध में घुलकर टूट गए या बिखर गए, दोबारा संवर पाएंगे? जिन नौजवानों की आंखों से भविष्य की चमक धुंधला गई है, उसका समाधान कैसे होगा? स्पष्ट है कि न युद्ध से, न प्रदूषणजनित अव्यवस्था से और न ही प्राकृतिक आपदाओं से मानवीय संकट को दूर करने के गंभीर प्रयास हो रहे हैं। इस दिशा में सत्ता की संवेदनशीलता अपरिहार्य है। इस संसार के नीति-नियंताओं को यह सोचना होगा कि आम लोगों की ज़िंदगी में फिर से सपनों में रंग कैसे भरे जाएं।

उन युवाओं के लिए उम्मीद की कोई बुनियाद रखनी होगी, जो गांवों से शहर और शहरों से फिर गांव लौटने को मजबूर हैं, जो परदेस में ज़िंदगी की तलाश में जाते हैं और वहां उन्हें अपराधियों की तरह बेड़ियों में वापस भेज दिया जाता है। अब जरूरी है कि उनके लिए 'सपनों की बागवानी' की जाए। यह बागवानी भी उन्हीं हाथों से होनी चाहिए, जिन्होंने औरतों के खोए हुए सिंदूर के प्रतिकार स्वरूप आतंकवाद पर प्रहार किया था। खंडित सपनों को पूरा करने के लिये नई मंज़िलों का निर्माण हो-ऐसी मंज़िल जिसमें साधारण व्यक्ति को भी वही स्थान मिले, जो सदियों से सत्ता और वर्चस्व के अभ्यस्त लोगों को मिलता आया है।

राजनीतिक गरिमा और वक्त की नजाकत का सवाल

ज्योति मल्होत्रा

पहलगाम में हुए नरसंहार के जवाब में भारत को पाकिस्तान पर दंडात्मक सैन्य कार्रवाई क्यों करनी पड़ी, दुनिया को यह समझाने के लिए भेजे जाने वाले बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने को लेकर जो माहौल बना है, उसमें निश्चित तौर पर शालीनता की कमी देखी गई। शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह ने इन प्रतिनिधिमंडलों में शामिल होने के पीएम मोदी के आह्वान पर अपनी पार्टी, कांग्रेस से अलग होकर प्रतिक्रिया दी - कांग्रेस द्वारा सरकार को भेजी गई सूची में उनके नाम नहीं थे। इस पुरानी पार्टी को इस मुद्दे पर जिस प्रकार किरकिरी झेलनी पड़ गई। इसका पूर्वानुमान उसे होना चाहिए था। सोचा भी नहीं जा सकता कि राहुल गांधी की कांग्रेस वही कांग्रेस है, जिस पर कभी इंदिरा गांधी का राज रहा था।

साल 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध करने से पहले के हफ्तों में, उन्होंने और उनके सबसे करीबी सहयोगियों ने कई महीनों तक कूटनीतिक अभियान चलाकर माहौल बनाया, ताकि पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में पैदा हुए मानवीय संकट को दुनिया के सामने रखा जा सके। साल 1994 की बात है, पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे और भारत को कश्मीर मुद्दे पर जेनेवा में मानवाधिकार परिषद में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था - तब राव ने अटल बिहारी वाजपेयी को फोन करके पूछा कि क्या वे भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। भारत के संसदीय इतिहास में वह क्षण एक तरह से राजनीतिक किंवदंती के रूप में याद किया जाता है - 1994 में उप विदेश मंत्री रहे सलमान खुर्शीद, जो कोई भी उनसे मिलने आता, उसे यह बताने में कभी नहीं चूकते कि वाजपेयी के साथ काम करना कितना सहज है। साल 2018 में वाजपेयी के निधन के बाद खुर्शीद ने द प्रिंट नामक वेबसाइट को बताया 'हमें एक-दूसरे को मनाने की या बहस करने की कभी जरूरत नहीं पड़ी। सहज रूप से हमारी सोच एक-सी थी और वे (वाजपेयी) बहुत कमाल के इंसान थे उनके पास वह 'मखमली स्पर्श' था, जो एक प्रेरक नेता होने के लिए चाहिए।'

अब बहुत से लोग मोदी पर 'मखमली स्पर्श' विहीन होने का आरोप नहीं लगा सकते। निश्चित रूप से, मोदी का तरीका अपना संदेश सपाट रूप से संप्रेषित करने का है। होना तो यह चाहिए था कि मोदी फोन उठाकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कॉल करते और उनसे कहते 'भाई, मैं सोच रहा हूं कि भारत को इस घड़ी एक स्वर में दुनिया को बताना चाहिए कि पाकिस्तान के अंदर क्या चल रहा है; किस प्रकार हमारा यह पड़ोसी मुल्क कट्टरता और आतंकवाद का इस्तेमाल कर खेल कर रहा है; तिस पर यह धमकी कि कुछ करके देखो परमाणु हथियार चला दूंगा, एक ऐसा खतरनाक घालमेल जिसके सामने किम जोंग उन जैसा भी फीका पड़ जाए।' दुर्भाग्यवश, राष्ट्रहित में अहंकार और राजनीतिक मतभेद भुलाकर काम करने की क्षमता का प्रदर्शन करने वाला इस प्रकार का आह्वान इन दिनों संभव नहीं है। राजनीति के क्षेत्र में शालीनता की कमी ही अब इसकी पहचान बन चुकी है।

कोई भी पक्ष दूसरे का सम्मान नहीं करता। पीएम मोदी का मानना है कि राहुल लोगों से कटे हुए वंशवादी नेता हैं, जिसे सीखने से परहेज है और बदतर यह कि पार्टी उन्हें हटा भी नहीं सकती, भले ही उनके नेतृत्व तले कांग्रेस चुनाव-दर -चुनाव हारती जा रही हो। उधर राहुल का मानना है कि पीएम मोदी लोकतांत्रिक संस्थाओं के सबसे बड़े विध्वंसक हैं। सार्वजनिक मंचों से दोनों एक-दूसरे की बेइज्जती करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जब वे एक-दूसरे से भिड़ नहीं रहे होते, तब उनके करीबी सहयोगी यह कमी पूरी करते हैं। देश के दो शीर्ष नेताओं के बीच ताने, कटाक्ष, सरासर बेइज्जती करना - यह सब देखना सुखद नहीं। सब जानते हैं कि राजनीति कोई पिकनिक नहीं और न ही अब वह जमाना है कि कोई एक मारे तो दूसरा गाल आगे कर देना इसकी प्रमुख धारणा हो। लेकिन इंदिरा गांधी और नरसिम्हा राव, दोनों ही समझते थे कि विदेश नीति एक व्यापक इंद्रधनुष है, जो हमारे जीवन के विभिन्न रंगों को खुद में समाहित करने में सक्षम है। भले ही कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने प्रमुख सांसदों को सीधे आमंत्रित करने को सियासी खेल करने के रूप में लिया हो, लेकिन वह इसे हज़्म करते हुए प्रधानमंत्री से कह सकती थी कि विश्व को भारत का पक्ष समझाने में कांग्रेस भारतीय प्रयासों की- भाजपा के नहीं- बराबर की सहयोगी बनेगी।

राहुल का तरीका यह है कि जन-जन तक अपनी पहुंचाने के लिए वे बहुत दिलचस्प मुद्दे उठाते रहते हैं, मसलन जातिवार जनगणना। हिंदी पट्टी की राजनीति की प्रकृति को समझते हुए प्रधानमंत्री को इस मांग को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा -वैसे भी इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। यह श्रेय पूरी तरह राहुल को जाता है कि उन्होंने मोदी को इस किस्म की कवायद की जरूरत स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया। शायद राहुल को विश्वास हो चला है कि वे सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर भी सफाई देने के लिए मजबूर कर देंगे- यह पूछकर कि भारत ने कितने विमान खोए; भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के लिए 'ट्रंप को क्यों बीच में डाला गया' शेष दुनिया में कोई एक देश भी क्यों खुलकर भारत के समर्थन में खड़ा क्यों नहीं मिला? बकौल राहुल यह 'भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई' का नतीजा है। लेकिन क्या ऐसा ही है? भगवान जाने कि क्या पूरा देश वही जानना चाहता है, जो राहुल जानना चाहते हैं।

हनुमान मंदिर

बड़े मंगल पर करें दर्शन

ज्येष्ठ माह के मंगलवार को बड़ा मंगल मनाया जाता है। कहते हैं कि बड़े मंगलवार के दिन भगवान राम और हनुमान जी की पहली मुलाकात हुई थी। तभी से इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। इस महीने के हर मंगलवार को बड़ा मंगल या शुभ मंगलवार मानकर हनुमान जी की विशेष पूजा होती है। इस मौके पर सभी हनुमान मंदिरों में उत्सव मनाया जाता है। ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले मंगलवार के दिन हनुमान मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं। यहां देश के प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों के बारे में जानकारी दी जा रही हैं जहां आप बड़े मंगलवार के दिन दर्शन के लिए जा सकते हैं। वहीं हिंदू धर्म के अनुसार प्याज, लहसुन और नॉन वेज खाना तामसिक भोजन की श्रेणी में आते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह राक्षसों द्वारा खाए जाने वाले भोजन की कैटेगरी है। भगवान हनुमान या बालाजी ने इन चीजों को कभी नहीं खाया। और वो चाहते थे कि मंदिर में आने वाला कोई भी व्यक्ति उन्हें खाने से परहेज करें। इसलिए, आप दर्शन करना जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखें।

लेटे हनुमान जी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में हनुमान का प्राचीन मंदिर है। यहां संगम किनारे हनुमान जी की प्रतिमा लेटी हुई अवस्था में है। 20 फीट लंबी हनुमान जी की मूर्ति हर साल पानी में डूब जाती है। माता जाता है कि गंगा जी हनुमान प्रतिमा को स्नान कराने के लिए उफान पर आती हैं। नदी का स्तर बढ़ना संकट माना जाता है लेकिन प्रयागराज में इसे शुभ माना जाता है।

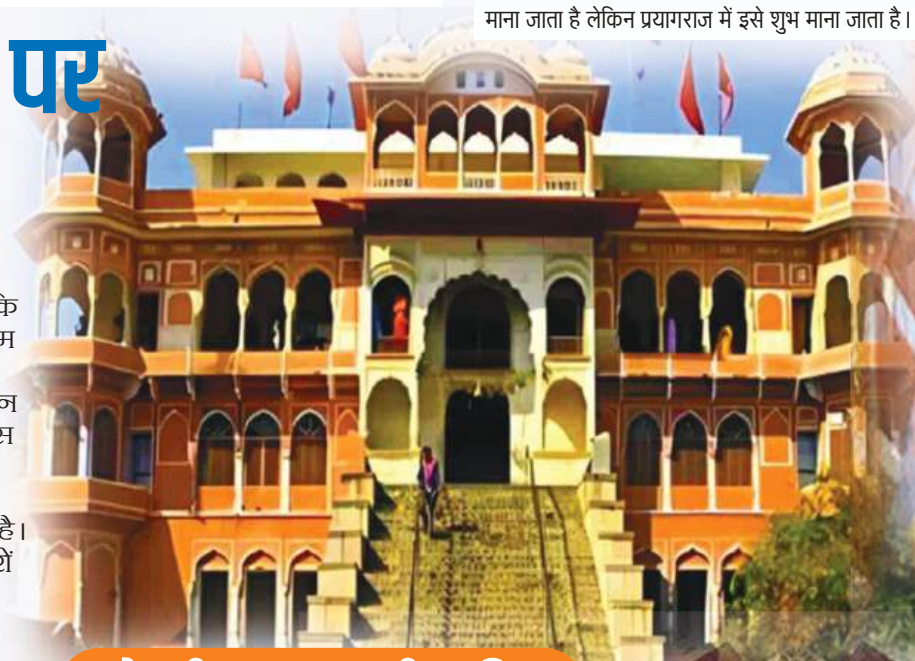

बालाजी मंदिर

राजस्थान के चुरू जिले में सालासर गांव में हनुमान जी का सिद्ध प्राप्त मंदिर स्थित है। यह इकलौता मंदिर है जहां बजरंगबली की प्रतिमा दाढ़ी और मूंछ वाली है। यहां लोग अपने दुख दर्द लेकर आते हैं और खुश होकर जाते हैं। मान्यता है कि सालासर बालाजी मंदिर में मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर

मेहंदीपुर बालाजी के नाम से मशहूर हनुमान मंदिर चमत्कारी माना जाता है। जो हनुमान भक्तों के बीच तो काफी लोकप्रिय है ही, लेकिन जो लोग यहां की कुछ चीजों में विश्वास रखते हैं, उन्हें भी आप यहां काफी संख्या में देख सकते हैं। यह मंदिर राजस्थान में जयपुर से लगभग 65 किलोमीटर की दूरी पर जयपुर-बांदीकुई बस मार्ग पर मेहंदीपुर में स्थित है। मान्यता है कि मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में भूत प्रेत की बाधाओं को दूर किया जाता है। जो लोग भूत प्रेत या ऐसी किसी समस्या से पीड़ित होते हैं, उन्हें यहां लाया जाता है। अगर आप इस मंदिर के दर्शन करने के लिए जा रहे हैं, तो पहले यहां से जुड़ी उन जरूरी बातों के बारे में जान लें, जिनके करने से भगवान नराज हो सकते हैं।

हनुमानगढ़ी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में प्रभु श्री राम की जन्मभूमि है। राम जन्मभूमि के निकट ही हनुमानगढ़ी नाम का भव्य मंदिर है। यह व्यापक रूप से लोकप्रिय मंदिर पूरे साल कई भक्तों द्वारा देखा जाता है, और हिंदुओं द्वारा बहुत पूजनीय है। यह मंदिर एक ऊंचे टीले पर स्थित है। मंदिर में प्रवेश के लिए 60 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। बिना हनुमानगढ़ी के दर्शन किए अयोध्या की यात्रा अधूरी मानी जाती है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में प्रभु श्री राम की जन्मभूमि है। राम जन्मभूमि के निकट ही हनुमानगढ़ी नाम का भव्य मंदिर है। यह मंदिर एक ऊंचे टीले पर स्थित है। मंदिर में प्रवेश के लिए 60 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। बिना हनुमानगढ़ी के दर्शन किए अयोध्या की यात्रा अधूरी मानी जाती है। किंवदंतियों के अनुसार, भगवान हनुमान यहां एक गुफा में रहते थे और रामकोट, या राम के जन्मस्थान की रक्षा करते थे।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की बंटी से- अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़का- आई लव यू डियर, लड़की- तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का-अरे पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

मोनू- अगर मुझे दूसरा दिमाग लगवाने की जरूरत पड़ी तो मैं तुम्हारा दिमाग लगवाना चाहूंगा। सोनू- मतलब तुम मानते हो कि मेरे पास जीनियस का दिमाग है? मोनू- नहीं, मुझे ऐसा दिमाग चाहिए जो पहले कभी यूज न हुआ हो...

कहानी | गुजरा हुआ वक्त दोबारा नहीं आता

एक नगर में एक बहुत ही अमीर आदमी रहता था, उस आदमी ने अपना सारा जीवन पैसे कमाने में लगा दिया, उसके पास इतना धन था, कि वह उस नगर को भी खरीद सकता था, लेकिन उसने अपने संपूर्ण जीवन भर में कभी किसी की मदद तक नही की। इतना धन होने के बावजूद, उसने अपने लिए भी उस धन का उपयोग नही किया, न कभी अपनी पसंद के कपड़े, भोजन, एवं अन्य इच्छा की पूर्ति तक नही की। वह केवल अपने जीवन में पैसे कमाने में व्यस्त रहा, वह इतना व्यस्त एवं मस्त हो गया पैसा कमाने में उसे उसके बुढ़ापे का भी पता नही चला, और वह जीवन के आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया। इस तरह उसके जीवन का अंतिम दिन भी नजदीक आ गया और यमराज उसके प्राण लेने धरती पर आये, जिसे देख कर वह आदमी डर गया, यमराज ने कहा, अब तेरे जीवन का अंतिम समय आ गया है, और मैं तुझे अपने साथ ले जाने आया हूं। सुनकर वह आदमी बोला- प्रभु अभी तक तो मैंने अपना जीवन जिया भी नही, मैं तो अभी तक अपने काम में व्यस्त था, अतः मुझे अपनी कमाई हुई धन दौलत का उपयोग करने के लिए समय चाहिए। यमराज ने उत्तर दिया-मैं तुम्हें और समय नहीं दे सकता, तुम्हारे जीवन के दिन समाप्त हो गये है, दिनों को और नही बढाया जा सकता। यमराज की बात सुनकर आदमी ने कहा- प्रभु मेरे पास इतना पैसा है, आप चाहो तो आधा धन लेकर मुझे जीवन का एक और बर्ष दे दीजिये। प्रतियुत्तर में यमराज ने कहा ऐसा संभव नही। इस पर आदमी ने कहा-आप चाहो, तो मेरा 90 प्रतिशत धन लेकर मुझे 1 महीने का समय ही दे दीजिए। यमराज ने फिर मना कर दिया। आदमी ने कहा- आप मेरा सारा धन लेकर 1 ही घंटा दे दीजिये। तब यमराज ने उसको समझाया- बीते हुए समय को धन से दोबारा प्राप्त नही किया जा सकता। इस प्रकार जिस आदमी को अपने धन पर अभिमान था, उसे वह सब व्यर्थ लगने लगा, क्योंकि उसने अपना संपूर्ण जीवन उस व्यर्थ चीज को कमाने में लगा दिया, जो आज उसे जिंदगी का 1 घंटा भी खरीद के नही दे पाई। दुखी मन से वह अपनी मौत के लिए तैयार हो गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क

सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

सिंह

नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

आज कारोबार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता बनी रहेगी। नौकरीपेशा को अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। घर-बाहर विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रमाद न करें। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

धनु

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मकर

हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कुम्भ

व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन

आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

फिल्म स्पिरिट में तृप्ति डिमरी की एंट्री से गदगद हुए सैम मर्चेंट

तृप्ति डिमरी की एंट्री फिल्म स्पिरिट में हो गई है। वे फीमेल लीड रोल कर रही हैं। तृप्ति की जोड़ी प्रभास के साथ जमेगी। शनिवार को मेकर्स ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। इसके बाद कई सेलेब्स ने तृप्ति को नई फिल्म के लिए बधाई दी है।

मगर, सबसे ज्यादा ध्यान खींचा उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड की प्रतिक्रिया ने। तृप्ति डिमरी ने कल इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर फैंस को स्पिरिट का हिस्सा बनने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि वे इस विश्वास से भरी यात्रा के लिए शुक्रगुजार हैं। तृप्ति के इस पोस्ट को कथित बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर खुशी जताई। उन्होंने तालिया बजाने वाले इमोजी बनाए। उनके पोस्ट का स्क्रीनशॉट इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। फिल्म स्पिरिट का निर्देशन संदीप रेड्डी वंगा कर रहे हैं। वहीं, इसे टी-सीरीज के बैनर तले भूषण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह दूसरा मौका है जब तृप्ति को संदीप रेड्डी वंगा निर्देशित फिल्म में देखा जाएगा। इससे पहले तृप्ति ने निर्देशक संदीप की फिल्म एनिमल में काम किया। रणबीर कपूर अभिनीत इस फिल्म में तृप्ति को काफी सराहना मिली। हालांकि, प्रभास के साथ उनकी जोड़ी किसी फिल्म में पहली बार जमेगी।

फिल्म स्पिरिट को लेकर पहले खबर थी कि दीपिका पादुकोण इसमें लीड रोल के रूप में नजर आएंगी। कहा गया कि उन्होंने तगड़ी फीस भी ली है। हालांकि, अब क्लियर हो गया है कि वे इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। दीपिका ने फिल्म क्यों छोड़ी, इसका कोई कारण भी सामने नहीं आया है।

बॉलीवुड | मन की बात

नीरज घेवान के साथ काम करना एक ऐक्टर के लिए गर्व की बात है : जान्हवी

जान्हवी कपूर अपने करियर में अब संजीदा किरदारों को निभाने की कोशिश में लगी हुईं। हाल ही में फिल्म 'होमबाउंड' में भी उनके किरदार को कान फिल्म फेस्टिवल में सराहा गया। इसका श्रेय जान्हवी फिल्म के निर्देशक नीरज घेवान को देती हैं। वह आगे भी इस निर्देशक के साथ काम करने की इच्छा रखती हैं। डेडलाइन हॉलीवुड से की गई हालिया बातचीत में जान्हवी कहती हैं, 'फिल्म 'होमबाउंड' की शूटिंग खत्म करने के बाद मैंने नीरज घेवान सर को मैसेज भेजा और कहा कि मुझे कोई दिक्कत नहीं है अगर आपकी अगली फिल्म में बैकग्राउंड में एक पेड़ का रोल निभाने को मिले। मुझे बस उनके साथ काम करना है।' जान्हवी का मानना है कि नीरज घेवान की फिल्म का हिस्सा बनना एक एक्टर के लिए गर्व की बात है। फिल्म 'होमबाउंड' दो दोस्तों की कहानी है, जो पुलिस की नौकरी पाने की चाह रखते हैं। इसके लिए अपने गांव से बाहर निकलते हैं। आगे चलकर वह जब अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हैं तो उनके बीच काफी कुछ बदलने लगा। फिल्म में ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने दो दोस्तों के रोल किए हैं, वहीं जान्हवी भी एक अहम किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में स्टैंडिंग ओवेशन भी मिला। जान्हवी कपूर की अगली फिल्म 'परम सुंदरी' है।

प्रीति जिंटा ने भारतीय सेना को दान किए 1.10 करोड़ रुपये

प्रीति जिंटा कई मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। वह काफी उदार भी हैं। अपनी उदारता का परिचय देते हुए प्रीति जिंटा ने सेना की विधवाओं और उनके बच्चों के कल्याण के लिए एक करोड़ रुपये से ज्यादा दान किया है। उन्होंने ये दान ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद किया है। भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद किया गया था। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रीति ने दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूजब्ल्यूए) को कुल 1.10 करोड़ रुपये का दान दिया। यह दान उनकी इंडियन प्रीमियर लीग टीम पंजाब किंग्स की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत किया गया।

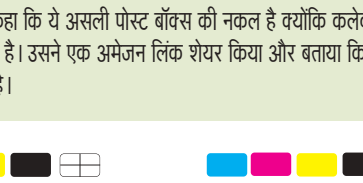

शनिवार को जयपुर में सेना की तरफ से एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें दक्षिण पश्चिमी कमान के सेना कमांडर, शान शक्ति एडब्ल्यूजब्ल्यूए के क्षेत्रीय अध्यक्ष और सैनिकों के कई परिवार शामिल हुए। यहां प्रीति ने सशस्त्र बलों के प्रति अपना सम्मान जताया और तारीफ की। प्रीति ने इस मौके पर कहा हमारे सशस्त्र बलों के बहादुर परिवारों को सहायता प्रदान करना सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। हमारे सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों का कभी भी सही मायने में भुगतान नहीं किया जा सकता है। हालांकि, हम उनके परिवारों के साथ खड़े हो सकते हैं और उन्हें आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं। हमें भारतीय सशस्त्र बलों पर बहुत फख्र है और हम अपने देश और इसके बहादुर रक्षकों के साथ समर्थन में खड़े हैं। प्रीति जिंटा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी। उन्होंने लिखा मैंने धैर्य, पसीना, खून, आंसू करीब से देखे हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि फौजी परिवार खुद फौजियों से थोड़े मजबूत होते हैं!

काले रंग के क्यों होते हैं पोस्ट बॉक्स, लाल वालों से कैसे होते हैं अलग?

एक वक्त था जब पोस्ट बॉक्स का इस्तेमाल बढ़-चढ़कर लोग करते थे। पर जैसे-जैसे ईमेल, व्हॉट्सएप, सोशल मीडिया आदि आ गए, लोगों ने चिट्ठियां भेजना बंद कर दिया। पर आपको शहरों में आज भी पोस्ट बॉक्स लगे दिख जाएंगे। आपने हमेशा ही लाल रंग के पोस्ट बॉक्स देखे होंगे। पर क्या आप जानते हैं कुछ पोस्ट बॉक्स काले रंग के भी होते हैं? तो सवाल ये भी उठता है कि आखिर ये लाल वालों से अलग कैसे होते हैं? शायद ही किसी को सही वजह पता होगी। वजह बताने से पहले आपको बता दें कि ये पोस्ट बॉक्स आपको भारत में नहीं, बल्कि ब्रिटेन में देखने को मिलेंगे। हाल ही में एक शख्स को ब्रिटेन के ग्रामीण इलाके में ये पोस्ट बॉक्स दिखाई दे गए। ये फोटो एक काले रंग के पोस्ट बॉक्स की है। शख्स ने बताया कि वो नॉर्थ वेल्स के लैनफिड इलाके में था। ये एक ग्रामीण इलाका है और उसे एक खेत की दीवार में काले रंग का पोस्ट बॉक्स मिला। उसे नहीं पता था कि ये पोस्ट बॉक्स काला क्यों हैं, पर हैरानी ये थी कि वो वर्किंग कंडीशन में था, यानी उसमें चिट्ठी डाली जा रही थी। उसने खेत की मालकिन से भी पूछा, मगर उसने भी कहा कि उसे इसकी जानकारी नहीं है। इस वजह से शख्स ने फोटो को सोशल मीडिया पर डाला और लोगों से जानकारी मांगी। फोटो में आप देख सकते हैं कि काले रंग का पोस्ट बॉक्स दीवार में जड़ा है और उसके ऊपर अंग्रेजी में ई-आर लिखा है। ये रॉयल मेल की ब्रांडिंग है जो रानी एलिजाबेथ के दौर की है। उसपर लिखा है कि मंडे से फ्राइडे पोस्ट बॉक्स का वक्त है 4 बजे शाम तक और शाम के साढ़े 7 बजे भी एक बार चिट्ठियां उठाई जाती हैं। शनिवार को 12 बजे तक चिट्ठियां ली जाती हैं। शख्स ने पूछा कि आखिर इस रंग का पोस्ट बॉक्स क्यों है? इस पोस्ट पर सैकड़ों लोगों ने कमेंट किया है और अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने सबसे सटीक जानकारी दी है। उसने बताया कि काले पोस्ट बॉक्स वो होते हैं जिन्हें डीकमिशन कर दिया जाता है, यानी सेवाओं से मुक्त कर देते हैं और वो चिट्ठियां नहीं लेते। काला रंग करने का कारण होता है कि लोगों को पता रहे कि उन पोस्ट बॉक्स में चिट्ठियां नहीं डालनी है। वहीं एक यूजर ने कहा कि ये असली पोस्ट बॉक्स की नकल है क्योंकि कलेक्शन कार्ड पर रॉयल मेल की ब्रांडिंग नहीं है। उसने एक अमेजन लिंक शेयर किया और बताया कि इसे ऑनलाइन भी खरीदा जा सकता है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है सांपों की दुनिया का अनोखा ठिकाना

इस गांव में हैं सबसे ज्यादा सांप, इन्हीं सांपों के बीच ही रहते हैं यहां के लोग

भारत में सांपों को पूजा जाता है। लेकिन वे उतने ही ज्यादा डराते भी हैं। अगर हमारी आंखों के सामने कोई सांप आ जाता है, तो हालत खराब हो जाती है। कई बार तो लोग डर की वजह से उन सांपों को मार भी देते हैं। लेकिन ये सांप प्रकृति के लिए बहुत ज्यादा जरूरी हैं। आज हम आपको भारत के उस गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे कोबरा कैपिटल ऑफ इंडिया यानी भारत की कोबरा सांपों की राजधानी कहा जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि यह सांपों की दुनिया का अनोखा ठिकाना है। इतना ही नहीं, इन सांपों के बीच ही यहां के लोग रहते हैं। पश्चिमी घाट की हरी-भरी वादियों में बसा यह गांव किंग कोबरा और जैव विविधता का खजाना है। यहां का अगुंबे रेनफॉरेस्ट रिसर्च स्टेशन इन सांपों की जिंदगी को समझने में जुटा है।

कर्नाटक के पश्चिमी घाट में बसा अगुंबे सिर्फ 3 वर्ग किलोमीटर में फैला एक छोटा सा गांव है, जो करीब 2,700 फीट की ऊंचाई पर है। इसे 'दक्षिण का चेरापूंजी' भी कहते हैं, क्योंकि यहां बारिश खूब होती है। सिर्फ 600 लोगों का यह गांव पहाड़ों, घने जंगलों और झरनों से घिरा है, जो प्रकृति प्रेमियों और वैज्ञानिकों के लिए स्वर्ग है। अगुंबे की खासियत इसकी जैव विविधता है, जिसमें दुर्लभ पौधे, फंगस और जानवर शामिल हैं। मेलिओला अगुंबेंसिस और डैक्टाइलरिया अगुंबेंसिस जैसे फंगस का नाम भी इसी गांव के नाम पर है। अगुंबे में पाए जाने वाले जानवर भी कमाल के हैं। मालाबार ग्लाइडिंग फ्रॉग, मालाबार हॉर्नबिल, मालाबार पिट वाइपर और यहां तक कि काले तेंदुए और अकेले चलने वाले हाथी भी दिखते हैं। मगर इस गांव की सबसे बड़ी पहचान है किंग कोबरा, जो दुनिया का सबसे लंबा जहरीला सांप है। इन सांपों के बीच ही यहां के लोगों ने रहना सीख लिया है।

भारतीय संस्कृति में सांपों का खास स्थान है। भगवान शिव और विष्णु से जुड़े कोबरा को नाग पंचमी जैसे त्योहारों में पूजा जाता है। मगर अगुंबे में सांप सिर्फ पौराणिक नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी जरूरी हैं। किंग कोबरा जंगल में छोटे सांपों को खाकर उनकी संख्या को काबू में रखता है, जिससे बीमारियां और खाने की कमी जैसी समस्याएं नहीं बढ़तीं। अगर ये सांप न हों, तो जंगल का पूरा इकोसिस्टम बिगड़ सकता है। बता दें कि अगुंबे की खूबसूरती और सांपों की दुनिया इसे अनोखा बनाती है। यहां का जंगल न सिर्फ सांपों का घर है, बल्कि ढेर सारे दुर्लभ जीव-जंतुओं को भी पनाह देता है। ~~क्रम~~ जैसे सेंटर सांपों को बचाने और उनके बारे में जागरूकता फैलाने का काम कर रहे हैं। मगर सांपों की ज्यादा आबादी की वजह से स्थानीय लोग और वैज्ञानिक दोनों को सावधान रहना पड़ता है। यह गांव हमें सिखाता है कि प्रकृति और उसके जीव कितने जरूरी हैं। अगुंबे का किंग कोबरा न सिर्फ डरावना है, बल्कि जंगल का रक्षक भी है।

बिहार में है अपराधियों का मंगलराज : तेजस्वी

» वीडियो पोस्ट पर राजद नेता ने सीएम नीतीश को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बढ़ रहे आपराधिक मामलों पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है। इसके लिए तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट का सहारा लिया है। उन्होंने घटना का वीडियो जारी करते हुए सरकार के खिलाफ कई बातें कही हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए लिखा है कि मुस्कुरा कर जोर से नारा लगाइए कि, आप अपराधियों के मंगलराज में हैं। मुख्यमंत्री आवास से चंद कदम दूर राजधानी पटना में दिनदहाड़े काली स्कॉर्पियो से अपराधी उतर कर अंधाधुंध फायरिंग करते है। अपराधियों से चंद कदम पीछे की गाड़ी है फिर भी तीन दिन बाद अपराधी नहीं पकड़े गए है।

इससे अधिक ध्वस्त विधि व्यवस्था का प्रमाण और क्या मिलेगा? तीन दिन बाद बिहार पधारने वाले प्रधानमंत्री इन घटनाओं का जिक्र कर नारा लगाएंगे कि, बोलो बीजेपी के गुंडाराज की जय, एनडीए के मंगलराज की जय, बरस पहले आई छींक की क्षय! गोदी मीडिया को बीजेपी शासित बिहार में सत्ता संरक्षित अपराधी एवं सत्ता संपोषित अपराध भी प्रधानमंत्री के चेहरे का कमाल लगता है, इसलिए चयनात्मक स्मृतिलोप से ग्रस्त बेचारे पत्रकार इस जंगलराज पर कुछ बोलते ही नहीं है।

वहीं सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मौजूदा विधायकों से पूरी तरह नाराज है, चाहे वे किसी भी दल से हों। उन्होंने कहा कि अधिकांश विधायक अपनी सीट गंवाएंगे, क्योंकि उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता के लिए कुछ नहीं किया।

लालू परिवार में गूंजी किलकारी, फिर पिता बने तेजस्वी

तेज प्रताप यादव को लेकर जारी तनातनी के बीच राष्ट्रीय जनता दल के मुखिया लालू प्रसाद यादव के घर में किलकारी गूंजी है। लालू दूसरी बार दादा बन गए हैं। तेजस्वी यादव दूसरी बार पिता बन गए हैं। उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। तेज को लेकर जारी बवाल के बीच लालू परिवार में खुशियां आई हैं। इसकी जानकारी एक्स और फेसबुक पर खुद तेजस्वी यादव ने दी। तेजस्वी ने बेटे की तस्वीर भी शेयर की है। इसके साथ तेजस्वी ने लिखा, सुप्रभात! आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। हमारे नन्हे बेटे के आगमन की घोषणा करते हुए बहुत आभारी, धन्य और खुश हूं। जय हनुमान! राजद के भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर तेजस्वी को बधाई दी। पार्टी ने लिखा, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी को पुत्र रत्न की प्राप्ति और राष्ट्रीय अध्यक्ष

लालू यादव को फिर से दादा बनने की हार्दिक शुभकामनाएं। समस्त राजद परिवार की ओर से शुभ आशीर्वाद सहित हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं! तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने भाई और भाभी राजश्री यादव को बधाई दी। उन्होंने कात्यायनी को भी बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, जूनियर टूटू को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद। कोलकाता के एक अस्पताल में बच्चे का जन्म हुआ है। जच्चा-बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ बताए जा रहे हैं। सोमवार को लालू परिवार पटना से कोलकाता गया था। इससे पहले 2023 में तेजस्वी की पत्नी ने बेटी को जन्म दिया था। उसका नाम कात्यायनी है। लालू परिवार में सबसे छोटे तेजस्वी यादव दो बार बिहार के उप-मुख्यमंत्री रह चुके हैं। राजनीति में आने से पहले तेजस्वी क्रिकेट खेलते थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में झारखंड का प्रतिनिधित्व भी किया है। तेजस्वी नौवीं पास और स्कूल ड्रॉपआउट हैं। वे कहते हैं कि क्रिकेट में करियर बनाने के लिए उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी थी। तेजस्वी आईपीएल टीम दिल्ली डेयरडेविल्स का भी हिस्सा रह चुके हैं। वह बिहार विधानसभा में राघोपुर से विधायक हैं।

नीतीश को सीएम बनाए रखना भाजपा की मजबूरी : प्रशांत किशोर

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मानसिक और शारीरिक स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार अब राज्य का नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने हाल में सामने आई उस घटना का भी जिक्र किया जिसमें मुख्यमंत्री ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान एक आईएएस अधिकारी के सिर पर गमला रख दिया था। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार अब इस स्थिति में नहीं हैं कि वे किसी कार्यक्रम को ढंग से याद रख सकें या अपने मंत्रियों के विभागों के नाम भी ठीक से ले सकें। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मसला है कि एक सिपाही को नौकरी से पहले मानसिक और शारीरिक जांच से गुजरना पड़ता है, लेकिन एक मुख्यमंत्री की बिगड़ती हालत पर सरकार चुप है। वक्फ ने पूछा कि क्या बिहार की जनता के सामने मुख्यमंत्री की स्वास्थ्य रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए? प्रशांत किशोर ने इस पूरे मामले को लेकर भाजपा को भी घेरा और कहा कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखना बीजेपी की राजनीतिक मजबूरी है, क्योंकि बिहार बीजेपी के पास अब कोई ऐसा चेहरा नहीं है जिसे जनता स्वीकार करे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 12 सांसदों की कुर्सियों के लालच में भाजपा ने नीतीश को फिर से बिहार की जनता पर थोपा है। प्रशांत किशोर ने भरोसे के साथ कहा कि अब से चार महीने के भीतर बिहार में बड़ा बदलाव दिखेगा। उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता अब एक नई व्यवस्था चाहती है, जो पारदर्शी हो, जवाबदेह हो और जनता के लिए काम करे। पीके ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य सिर्फ आलोचना करना नहीं, बल्कि एक विकल्प तैयार करना है, जिसे जनता खुद चुने।

बेंगलुरु की उम्मीदों पर पानी फेरने उतरेगा एलएसजी

» आरसीबी की नजरें शीर्ष-दो में पहुंचने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आईपीएल 2025 में शीर्ष-दो की जंग अब रोमांचक हो चली है। आज लखनऊ सुपर जाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में (शाम साढ़े सात बजे से) लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में आरसीबी का काफी कुछ दांव पर लगा होगा। क्योंकि पंजाब के बराबर अंक अब सिर्फ आरसीबी प्राप्त कर सकती है। लखनऊ के खिलाफ जीत उन्हें शीर्ष दो में स्थान पक्का करने के लिए काफी होगी, लेकिन हार उन्हें एलिमिनेटन मैच में धकेल सकती है। लखनऊ की टीम अच्छे फॉर्म से आ रही है और होम ग्राउंड पर लखनऊ को हराना आसान नहीं होगा। लखनऊ और आरसीबी के बीच मैच के साथ ही आईपीएल 2025 के ग्रूप चरण का अंत हो जाएगा।

लखनऊ की टीम मौजूदा सत्र में अपने निराशाजनक अभियान का अंत जीत से करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाएगी। आईपीएल की तालिका में शीर्ष दो पायदान पर रहने वाली टीमों को तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के मुकाबले फाइनल में पहुंचने का एक अतिरिक्त मौका मिलता है। आरसीबी के नाम 17 अंक है और उसके लिए गलती की गुंजाइश बहुत कम है। बता दें आरसीबी भी परिस्थितियों से परिचित होगी क्योंकि उसने अपना पिछला मैच इकाना स्टेडियम में ही खेला था। वहीं, लखनऊ की टीम अपने पिछले मैच में टाइटंस को हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन की तिकड़ी ने इस सत्र में लखनऊ के लिए शानदार प्रदर्शन किया है।

क्वालिफायर-1 में पहुंची पंजाब

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पंजाब किंग्स की टीम ने 11 साल बाद शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित कर ली है। पंजाब ने सोमवार को मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर शीर्ष पर जगह बनाई। इस जीत से अब यह तय हो गया है कि टीम ग्रूप चरण में अपने अभियान का अंत शीर्ष दो में रहकर करेगी। पंजाब की 14 मैचों में यह नौवीं जीत थी और वह 19 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर आ गई। पंजाब का क्वालिफायर-1 में सामना आरसीबी या गुजरात टाइटंस में से किसी टीम से होगा। सोमवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 184 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 18.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 187 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुंबई आठ जीत और छह हार के साथ चौथे स्थान पर रही जिससे यह तय हो गया कि हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम 30 मई यानी शुक्रवार को एलिमिनेटर मुकाबला खेलेगी।

साय सरकार से खुश नहीं है कार्यकर्ता

» भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकी राम ने अपनी ही सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। बिलासपुर पहुंचे बीजेपी के वरिष्ठ नेता ननकी राम कंवर ने कहा कि केंद्र सरकार का कामकाज ठीक है। राज्य सरकार के काम के बारे में पूछे जाने पर जय श्री राम बोलते हुए कहा हमारा एक भी कार्यकर्ता खुश नहीं। नक्सलवाद को लेकर कहा कि गृह मंत्री रहते नक्सलियों को खत्म करने के लिए प्लान बना लिया था, लेकिन उस समय केंद्र में बैठी सरकार ने मदद नहीं की और न ही फोर्स भेजा। ऐसा लगता था जैसे केन्द्र सरकार ही नक्सलियों की मदद कर रही हो। छत्तीसगढ़ बीजेपी के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर ने नक्सलवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि मेरे गृहमंत्री रहने के दौरान मैंने नक्सलियों को खत्म करने के लिए प्लान बना लिया था, लेकिन उस समय केंद्र में बैठी सरकार ने एक भी पैसे की मदद नहीं की और न ही फोर्स भेजा। ऐसा लगता था जैसे केंद्र सरकार ही नक्सलियों की मदद कर रही हो। केंद्र की मोदी सरकार की तारीफ और राज्य की साय सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि केंद्र सरकार का कामकाज ठीकठाक है पर छत्तीसगढ़ जय श्री राम...। इस सरकार से लोग खुश नहीं हैं। उन्होंने राज्य की वर्तमान साय सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार से हमारा एक भी बीजेपी कार्यकर्ता खुश नहीं है। लोक भी खुश नहीं हैं।

रमन सिंह ने की मुझे हराने की कोशिश

इतना ही नहीं पूर्व गृहमंत्री रह चुके कंवर ने छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी में पार्टी के लोगों को हराने की कोशिश डॉ. रमन सिंह जैसे लोग करते हैं। रमन सिंह ने मुझे तीन बार हराने की कोशिश की है। ये सबको मालूम हैं। कम से कम कार्रवाई करना चाहिए। हमको हराये हैं इसलिए मैं नाखुश हूं। हम कहीं भी रहेंगे लोगों का काम करते रहेंगे।

प्रदेश में पैसे के बिना कोई काम नहीं होता

बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को किनारे करने के सवाल पर पूर्व गृहमंत्री ने कहा कि मुझे भी किनारे कर दिया है। प्रदेश में भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि कोई भी पैसे के बिना काम नहीं करते हैं। वहीं धर्मांतरण के सवाल पर कहा कि ऐसे लोगों को खूब पैसे मिल रहे हैं। विदेशों से पैसा मिलना बंद हो जाये तो धर्मांतरण तुरंत बंद हो जायेगा।

बिना मंत्री के बयान के ही जांच हो गई पूरी

» विजय शाह मामले में एसआईटी की जांच खत्म, खानापूर्ति हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। इंदौर के मानपुर में एक आयोजन के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताने वाले बयान के मामले में मंत्री विजय के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। कोर्ट के निर्देश पर प्रदेश सरकार ने एक एसआईटी भी गठित की है। इस समिति के सदस्य दो दिन से मानपुर में थे। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शियों के कथन लिए। कार्यक्रम की पूरी रिकार्डिंग को देखा।

इसके बाद जांच पूरी कर कमेटी भोपाल के लिए रवाना हो गई। जांच के लिए सागर जोन के पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा के अलावा तीन सदस्यों को कमेटी में शामिल किया गया है। तीनों सदस्य दो दिन पहले मानपुर गए थे। वहां उन्होंने आयोजनों में शामिल लोगों के बयान और वीडियों की जांच की। स्थानीय लोगों ने बयानों में कहा कि भाषण के दौरान उन्होंने गलत बात कही, लेकिन उनकी मंशा यह नहीं थी।

नया मनुवाद लागू कर रही मोदी सरकार : राहुल

रिक्त आरक्षित पदों को लेकर एनडीए सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के खिलाफ व्यवस्थागत भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि योग्य उम्मीदवारों को उपयुक्त नहीं पाया गया (एनएफएस) कहकर खारिज करने की प्रथा मनुवाद का एक नया रूप है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह के साथ संवाद में यह दावा भी किया मोदी सरकार शिक्षा रूपी हथियार को कुंद करने में लगी हुई है। उन्होंने बीते 22 मई को दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया था और छात्रों से बातचीत की थी।राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'नॉट फाउंड सूटेबल' अब नया मनुवाद है। एससी /एसटी/ओबीसी के योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर 'अयोग्य' ठहराया जा रहा है – ताकि वे शिक्षा और नेतृत्व से दूर रहें। उनके मुताबिक, बाबासाहेब डॉ बी आर आंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा बराबरी के लिए सबसे बड़ा हथियार है। लेकिन मोदी सरकार उस हथियार को कुंद करने में जुटी है। दिल्ली विश्वविद्यालय में 60 प्रतिशत से ज़्यादा प्रोफ़ेसर और 30 प्रतिशत से ज़्यादा एसोसिएट प्रोफे सर के आरक्षित पदों को नॉट फाउंड सूटेबल बताकर खाली रखा गया है। उन्होंने दावा किया कि यह कोई अपवाद नहीं है क्योंकि आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हर जगह यही साजिश चल रही है। उन्होंने कहा कि नॉट फाउंड सूटेबल संविधान पर हमला है और सामाजिक न्याय के साथ धोखा है।

सब मिलकर भाजपा/आरएसएस की हर साजिश का जवाब देंगे

राहुल गांधी ने कहा, यह सिर्फ़ शिक्षा और नौकरी की नहीं - हक़, सम्मान और हिस्सेदारी की लड़ाई है। मैंने छात्रों से बात की। अब हम सब मिलकर भाजपा/आरएसएस की हर आरक्षण-विरोधी चाल को संविधान की ताक़त से जवाब देंगे। वीडियो में उन्होंने यह दावा भी किया कि हिंदुत्व प्रोजेक्ट का मकसद दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के इतिहास को मिटाना है। राहुल गांधी ने यूट्यूब पर अपने पोस्ट में कहा कि निजीकरण का असली मतलब है संस्थाओं से दलितों और ओबीसी को अलग रखना।

61वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू

प्रधानमंत्री मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जवाहरलाल नेहरू को उनकी 61वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और उनके दूरदर्शी नेतृत्व और सामाजिक न्याय, शिक्षा और लोकतंत्र में उनके योगदान की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। एक्स पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी भारत के पहले प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। गांधी ने स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखने में नेहरू के दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया।

नेहरू जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व के साथ स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी: राहुल

भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर श्रद्धांजलि। एक मजबूत और समावेशी भारत के सपने के साथ, नेहरू जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व के साथ स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी। सामाजिक न्याय, आधुनिकता, शिक्षा, संविधान और लोकतंत्र की स्थापना में उनका योगदान अमूल्य है। भारत के जवाहर की विरासत और उनके आदर्श हमेशा हमारा मार्गदर्शन करेंगे, गांधी ने एक्स पर कहा।

सोनिया व खरगे ने भी किया याद

इससे पहले आज, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष ने भी दिल्ली में नेहरू की समाधि शांति वन में उन्हें श्रद्धांजलि देने में शामिल हुईं।

पाकिस्तान तो कोरमा और कोफ्ता खा रहा है: जामेई

मोदी के रोटी और गोली वाले बयान पर बोली सपा

सीजफायर के फैसले से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही वाले बयान पर समजवादी पार्टी के नेता अमीक जामेई की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी गुजरात में थे और उन्होंने वहां एक रोड शो किया, जहां वे सेना की ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे।

जामेई का मानना है कि इस तरह के प्रदर्शन से सेना के मनोबल को बढ़ाया जा सकता था और पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकता था। लेकिन रोटी तो पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की खा रहा है। इसके साथ ही सपा नेता ने बताया कि भारत के विदेश मंत्री और उनका पूरा विभाग आईएमएफ मुख्यालय में पाकिस्तान के खिलाफ रहे लेकिन हम पूरी तरह से इसमें असफल रहे। जामेई ने कहा कि अमेरिका के पास आईएमएफ में 13 वोट हैं और पाकिस्तान के लिए 13 वोट पड़े, जबकि यूरोपीय संघ के वोट मिलाकर 50 हो जाते हैं, इसलिए पाकिस्तान रोटी नहीं खा रहा वह तो कोरमा और कोफ्ता खा रहा है और हम पर आतंकवाधी कार्रवाइयां भी करेंगा इसमें भी कोई शक नहीं है।

पाकिस्तान को टेबल पर लाना था

जामेई ने कहा कि ये समय था कि पाकिस्तान को टेबल पर लाना था और सीजफायर के फैसले ने पाकिस्तान के मनोबल को बढ़ाया है।

सेना के परिवारों से फूल बरसवाना ठीक नहीं

इसके साथ ही उन्होंने कर्नल सोफिया के परिवार का जिक्र करते हुए कहा कि लोकल प्रशासन का आदेश था कि पीएम मोदी आएंगे और उन पर फूल बरसाएं, क्या यह जरूरी है कि सेना के परिवारों को इस तरह की चीजें नहीं करनी चाहिए।

फोटो :4 पीएम

भंडारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया उत्तरप्रदेश ने तृतीय जेष्ठ मंगल (बड़े मंगल) पर भंडारे का आयोजन किया। जहाँ मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्या गिरी द्वारा पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिनेश शर्माविधायक प्रेम सागर पटेल, एम एल सी अक्षत प्रताप समेत उत्तरप्रदेश के तमाम पत्रकारों ने शिरकत की।

सेप्टिक टैंक में सोना निकालने उतरे यूपी के 4 मजदूरों की मौत

जयपुर में बड़ा हादसा अमित-रोहित को बचाने के चक्कर में दो की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में एक बड़ा हादसा देखने को मिला है। सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र के ज्वैलरी जोन में सैप्टिक टैंक में उतरे 8 मजदूरों में से चार की मौत हो गई। चार अन्य मजदूरों में से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है, जबकि दो को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई। चारों मजदूर यूपी के बताए जा रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि चारों मृतक यूपी के हैं। तीन मृतक संजीव पाल, हिमांशु सिंह और रोहित पाल अंबेडकर नगर तो वहीं अर्पित यादव सुल्तानपुर से है। अमित चौहान और राजपाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमित पाल और सूरज पाल को छुट्टी को छुट्टी मिल गई है। हादसा सीतापुरा के अचल ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड फर्म में हुआ, जहां ज्वैलरी का काम होता है। यहां से विभिन्न आभूषण विदेशों में एक्सपोर्ट होते हैं। कंपनी के अंदर ही एक 10 फीट गहरा सेप्टिक टैंक है, जहां मलबा इकट्ठा होता है। हर दो महीने में एक बार टैंक को खाली किया जाता है। टैंक में सोने का बुरादा और कुछ कण मिलते हैं, जिसके लिए टैंक को खाली किया जाता है। बीते दिन भी इसे खाली किया जा रहा था, तभी ये हादसा हुआ। अमित और रोहित रात में सैप्टिक टैंक में मलबा निकालने उतरे थे, तभी कुछ मिनट के बाद दोनों बेहोश हो गए। दोनों को बचाने के लिए एक के बाद एक 6 लोग टैंक में उतरे। इसके बाद फैक्टरी के सिक्योरिटी गार्ड और दूसरे मजदूरों ने सभी को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां 4 को मृत घोषित कर दिया गया।

एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार स्लीपर बस ने आगे चल रही बस में मारी टक्कर, 26 यात्री हुए घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर मकनपुर के पास मंगलवार सुबह लखनऊ की ओर जा रही निजी स्लीपर बस में पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्लीपर बस ने टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से आगे चल रही बस पलट गई। हादसे में दोनों बसें क्षतिग्रस्त हो गईं और 26 यात्री घायल हो गए।

हादसे के बाद दोनों बसों के चालक फरार हो गए। इधर मौके पर पहुंचे यूपीडा के सुरक्षाकर्मियों और पुलिस ने क्षतिग्रस्त बसों से घायलों को बाहर निकाल कर लगभग 15 एंबुलेंस से उपचार के लिए सीएचसी भेजा। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने 15 घायलों को कानपुर के एलएलआर अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बसों को क्रेन की सहायता से हटवाकर किनारे कराया। पुलिस हादसे की वजह चालक को झपकी आना बता रही है। अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव के मुताबिक मंगलवार सुबह लगभग 4:15 बजे दिल्ली से लगभग 40 सवारियों को लेकर निजी स्लीपर बस गोंडा जा रही थी। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर मकनपुर के पास किमी 215 पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्लीपर बस ने आगे जा रही बस में टक्कर मार दी। पीछे वाली बस सिद्धार्थ नगर जा रही थी। जोरदार टक्कर से आगे जा रही बस पलट गई।

हादसे में बस में सवार यात्रियों में चीखपुकार मच गई। मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे एसीपी अमरनाथ यादव व इंस्पेक्टर और यूपीडा के सुरक्षाकर्मियों ने 26 घायलों को क्षतिग्रस्त बस से बाहर निकालकर सीएचसी भेजा। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने 14 घायलों को कानपुर रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि दोनों बसों में लगभग 40-40 यात्री सवार थे। पीछे आ रही बस के चालक को झपकी आने के चलते हादसा हुआ है। दोनों बसों के चालकों का पता लगाया जा रहा है। कुछ मामूली रूप से घायल हुए यात्री घटनास्थल से ही दूसरी बसों से गंतव्य के लिए रवाना कर दिए गए। घायलों में दो की हालत गंभीर हैं, जिन्हें आइसीयू में भर्ती कराया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।